Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-102

नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद

कला में स्नातक (बीए- 12/16/17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. भतृहरि का सामान्य परिचय देते हुए नीति साहित्य में उनके योगदान का वर्णन कीजिए।

2. लघु सिद्धान्त कौमुदी के संज्ञा प्रकरण से संहिता संज्ञा विधायक, संयोग संज्ञाविधायक एवं पद संज्ञा विधायक सूत्रों की उल्लेखपूर्वक व्याख्या कीजिए।

3. हितोपदेश वर्णित 'मित्रलाभ' की कथा का सारांश लिखिए।

4. उपसर्ग संज्ञा विधायक सूत्र की व्याख्या करते हुए संस्कृत के सभी उपसर्गों को सोदाहरण समझाइए।

5. स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा, विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः,
विशेषतः सर्व विदां समाजे, विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।
यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं गज इव मदान्धः समभवम्
तदा सर्वज्ञोऽस्मि इत्यभवदवलिप्तं मम मनः।
यदा किञ्चित्किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतम्,
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो में व्यपगतः।।
उपर्युक्त दोनों श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. एक बार एक जंगल के निकट राजाओं के बीच घोर युद्ध हुआ। एक जीता दूसरा हारा। सेनाएं अपने नगरों की ओर लौट गईं। बस सेना का एक ढोल पीछे रह गया। उस ढोल को बजाकर सेना के साथ भाट व चारण वीरता की कहानियाँ सुनाते थे।
उपुर्युक्त का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

2. शिरः शार्वं स्वर्गात् पशुपति शिरस्तः क्षितिधरम्,
महीधादुत्तुङ्गादवनि अवनेश्चापि जलधिम्।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा,
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।।
उपर्युक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए।

3. नीतिशतक का कोई श्लोक (जो इस प्रश्न पत्र में न हो) लिखकर उसका अर्थ भी लिखिए।

4. 'टि' संज्ञा विधायक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. पन्चतन्त्र का कथा सार लिखिए।

6. सदाचारण की दृष्टि से नीतिकथाओं की उपयोगिता अपने शब्दों में समझाइए।

7. प्रत्याहार शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रत्याहार की संख्या लिखिए और सभी का नाम भी लिखिए।

8. नीति साहित्य का व्यवहार-निर्माण में क्या महत्त्व है? समझाइए।